दिया जाना चाहिए । यहां उत्पादन नब्बे प्रतिशत है ।

मंत्री महोदय चूंकि नहीं आये हैं इस लिए शायद उनको इन सब चीजों की जानकारी नहीं होगी । इस लिए मैं उनसे यही कहना चाहता हूं कि जो गांवों की जमीन को एक्वायर किया जा रहा है उसका तत्काल रोकने के लिए आदेश जारी करें ।

MR. SPEAKER: Shri Shyamnandan Mishra.

(*Interruptions.*)

MR. SPEAKER: Order please. I have called Shri Shyamnandan Mishra.

(*Interruptions.*)

(ii) SERIOUS FOOD SITUATION IN KERALA

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA (Begusarai): I have to bring to your notice the extremely critical food situation in Kerala. Here I have got a sample of the food that is supplied They supply such a misreable quantity the people per head that even an infant cannot subsist on this. It is only a morsel of food. About 80 persons including women and important public workers, AICC Members, PCC, DCC Members have come from Kerala and were proceeding to Parliament House to present a Memorandum to you and the Prime Minister and the Chairman of the other House. They have been arrested this morning, with Shri Mahavir Tyagi, who is the leader of our party in the other House and one of the senior leaders in the country. Some urgent steps should be taken immediately to restore the cut in ration in Kerala. They are getting reduced supply. It has been reduced by fifty per cent, and the Centre is not meeting its obligation to the State. The situation would go out of hand and people would really face starvation. Many persons have died as a result of exhaustion I have got the sample. Can anybody say that this is adequate? (*Interruptions*) I request the Government to take immediate action in the matter.

SHRI DINEN BHATTACHARYYA (Serampore): Yesterday, I was trying to draw your attention to allow me to arise this matter about the acute food situation in Kerala where the trains have been stopped; students are not going to schools. It is strange that when this is the situation there, no step is taken by the Centre at least to see that the minimum food requirement is sent from the Centre so that this situation might get changed.

The Minister for food and Agriculture is here. He must make a statement on this. In Delhi many people have been arrested. (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय जब सब मैम्बर साहब इकट्ठे बोलते हैं, तो कोई बात सुनाई नहीं देती है और कोई बात रिकार्ड पर भी नहीं आती है । (व्यवधान)

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA: The Food Minister is here. Why have the people who have come here in search of food from Kerala been arrested? (*Interruptions*).

MR. SPEAKER: I allowed Shri Mishra and even Shri Bhattacharyya. What do you want to say, Mr. Limaye?

SHRI K. S. CHAVDA (Patan): This is not complete. Many people including some women have ben arrested. So, the Minister must say something with regard to this. Even Shri Tyagiji has been arrested.

अध्यक्ष महोदय : एक तरफ आप लोग मुझे कहते हैं कि मैं फूड मिनिस्टर से स्टेटमेंट देने के लिए कहूं और दूसरी तरफ आप लोग बैठते नहीं हैं, तो कि मैं कुछ कह सकूं

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA: Why have they arrested those who have come from Kerala in search of food?

MR. SPEAKER: Would you like to make a statement now or later?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ANNASAHEB P. SHINDE): We are at your disposal.

SHRI DINEN BHATTACHARYYA: Tell us the quota fixed for Kerala.

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA: Why have the people, who have come from Kerala in search of food, been arrested?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : (ग्वालियर) अध्यक्ष महोदय, इसका एक पहलू ऐसा है, जिस का सम्बन्ध आपसे है। केरल की खाद्य स्थिति का प्रश्न अलग है, लेकिन जो लोग पार्लियामेंट के सामने प्रदर्शन करने के लिए आते है, आप मेमोरेंडम देने के लिए आते है, क्या उन्हें आपके पास आने के लिए इजाजत नही होनी चाहिए ? वे लोग पार्लियामेंट के मैम्बर के साथ आ रहे थे।

अध्यक्ष महोदय प्रदर्शन तो बाहर हो जाता है। **(व्यवधान)** मैम्बर साहबान एक एक कर के बोले। सब एक साथ खडे न हो जाए। **(व्यवधान)**

---

12 44 hrs.

RE. BUSINESS OF THE HOUSE

श्री मधु लिमये (बांका) अध्यक्ष महोदय, मुझे यह बताया गया है कि 5 सितम्बर तक आप कोई ध्यान दिलाने की नोटिस नही स्वीकार करने जा रहे है।

अध्यक्ष महोदय यह बिजिनेस एडवाईजरी कमटी का फैसला है।

श्री मधु लिमये मंत्री महोदय अल्प सूचना प्रश्न का उत्तर नही देना चाहते है। उत्तर प्रदेश मे नौ करोड लोग निवास करते है। वहा वर्षा के अभाव के कारण 600 मिगावाट बिजली का शार्टेज उत्पन्न हो गया है और सारे प्रदेश में अंधकार है। मैंने नियम 377 के अधीन नोटिस का स्वीकार नही किया है। मैं कोई व्यवधान नहीं डालना चाहता हूं। लेकिन आप हमें कोई रास्ता बताइए। मंत्री महोदय शार्ट नोटिस क्वस्चन को स्वीकार नही करते हैं और आप कालिन्ग एटेन्शन नोटिस और नियम 377 के अधीन नोटिस को स्वीकार नही करते हैं। इस स्थिति मे हम क्या करे ? 5 सितम्बर तक सेशन बढ़ाने का क्या मतलब है, अगर हम जनता के प्रश्नो को यहा न उठा पाएं ? मैं ने यह सवाल आपसे पूछा है। आप इस बारे मे कोई व्यवस्था दें।

अध्यक्ष महोदय यह हाउस का फैसला है और मै उसका पाबंद हू। इस बारे में पार्टियो के लीडर्ज की मीटिंग हुई थी। यह हाउस का फैसला है।

श्री मधु लिमये : जब हम अल्प सूचना प्रश्न नही दे सकते, क्योकि मंत्री महोदय उन को स्वीकार नही करते है और कालिंग एटेन्शन नोटिस की और नियम 377 के अधीन काई मामला उठाने की आप इजाजत नही देगे, तो फिर जनता के सवालो को उठाने का और काई तरीका नही है। **(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय मैम्बर्ज एक साथ बोल रहे है। **(व्यवधान)** आप कैसे यह तवक्को रखते है कि मै पाच सात मैम्बरो को एक साथ सुन सकू ? **(व्यवधान)**

श्री फूलचन्द वर्मा (उज्जैन) : अध्यक्ष महोदय, आप सब सदस्यो को बारी बारी मौका दीजिए। **(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय माननीय सदस्य बार-बार क्यो उठते है। जब मैं किसी मैम्बर को बुलाऊ, तभी उस को उठना चाहिए। **(व्यवधान)**

श्री मधु लिमये अध्यक्ष महोदय, मै ने जो मामला उठाया है क्या आप उसके बारे मे कुछ कहेंगे ?